ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 04 अगस्त 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 117

सितंबर से बंद हो रहे हैं 500 के नोट? PIB ने किया बड़ा खुलासा

24 न्यूज अपडेट
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप जैसे मैसेजिंग एप्स पर एक भ्रामक दावा तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सितंबर 2025 तक बैंकों को एटीएम से 500 के नोट निकालने पर रोक लगाने का निर्देश दिया है. इस मैसेज में यह भी कहा जा रहा है कि मार्च 2026 तक 75% एटीएम और आगे चलकर 90% एटीएम केवल 200 और 100 के नोट ही वितरित करेंगे.
इतना ही नहीं, लोगों को यह भी सलाह दी जा रही है कि वे अपने पास रखे 500 के नोटों को जल्द से जल्द खर्च कर दें. इस संदेश को भारतीय रिजर्व बैंक के नाम से जोड़ा गया है, जिससे आम नागरिकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है. हालांकि, अब इस पर प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो (PIB) की ओर से स्पष्टीकरण सामने आया है.

PIB फैक्ट चेक ने किया दावे का खंडन
पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर इस वायरल दावे की सच्चाई उजागर की है. फैक्ट चेक टीम ने स्पष्ट रूप से बताया है कि आरबीआई की ओर से ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है, जिसमें 500 के नोट को एटीएम से निकालने पर पाबंदी लगाई गई हो.
पीआईबी ने इस वायरल दावे को "पूरी तरह फर्जी और भ्रामक" करार दिया है. साथ ही, जनता से अपील की है कि वे किसी भी खबर को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि जरूर करें. उन्होंने यह भी कहा कि 500 के नोट भारतीय मुद्रा के रूप में वैध हैं और वैध रहेंगे.

पहले भी आ चुके हैं ऐसे भ्रामक दावे
यह पहली बार नहीं है जब 500 या 2000 के नोट को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाया गया हो. इससे पहले भी कई फर्जी दावे किए गए, जिनमें नोटों के अमान्य होने, बैंक में जमा करने की अंतिम तिथि, या बाजार में उपयोग न करने जैसे झूठे दावे शामिल थे. हर बार PIB ने इनका फैक्ट चेक कर लोगों को सही जानकारी दी है.

जनहित में सलाह
जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आरबीआई और पीआईबी जैसी आधिकारिक एजेंसियों द्वारा जारी जानकारी पर भरोसा करें. किसी भी मैसेज को बिना जांचे-परखे आगे न बढ़ाएं, ताकि अफवाहों से बचा जा सके और समाज में अनावश्यक भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो.

राज ठाकरे बोले- हिंदी भाषियों से नफरत नहीं करें:कार्यकर्ताओं से कहा- मराठी भाषा का मुद्दा जरूरी लेकिन बेवजह की हाथापाई से बचें

24 न्यूज अपडेट
महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) चीफ राज ठाकरे ने अपने सुर बदले हैं। उन्होंने आज कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि मराठी भाषा का मुद्दा जरूरी है लेकिन हिंदी भाषियों से नफरत नहीं करें और किसी के भी साथ बेवजह की हाथापाई से बचें।
ठाकरे ने कहा कि यदि कोई मराठी सीखना चाहता है तो उसकी मदद करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मराठा को मुद्दा बनाने पर जोर दिया और इसे घर-घर पहुंचाने की बात कही। यह नसीहत ऐसे समय में आई है जब भाषा विवाद को लेकर MNS कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगातार नए मामले सामने आ रहे थे।
ठाकरे ने कहा कि महानगरपालिका चुनाव की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। कार्यकर्ता स्थानीय मुद्दों को लेकर ग्राउंड पर उतरें और वोटर्स लिस्ट पर काम शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि 20 साल बाद हम दो भाई जब साथ आ सकते हैं तो तुम क्यों लड़ते हो? मतभेद भुलाकर साथ में काम पर लगना है। उद्धव से गठबंधन पर सही समय पर बोलूंगा।

'आज मैं शून्य हो गया हूं', शिबू सोरेन के निधन पर बेटे सीएम हेमंत सोरेन का पोस्ट, पीएम मोदी सहित अन्य नेताओं ने जताया शोक

24 न्यूज अपडेट
झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है. उन्होंने 81 साल की उम्र में सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली. शिबू सोरेन के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है. वे आदिवासी समाज के बड़े नेता थे. उनके बेटे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने उनके निधन की जानकारी देते हुए अपना दुख जाहिर किया. उन्होंने कहा कि आज मैं शून्य हो गया हूं.
गौरतलब हो कि दिशोम गुरु काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे. दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. झारखंड के लोग उनके स्वस्थ होने को लेकर जगह-जगह पूजा और प्रार्थनाएं कर रहे थे. सीएम हेमंत सोरेन भी पूरे परिवार संग दिल्ली में शिबू सोरेन के साथ मौजूद थे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने शिबू सोरेन के निधन को सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति बताया है. उन्होंने आदिवासी अस्मिता और झारखंड राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया. जमीनी स्तर पर काम करने के अलावा, उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में भी योगदान दिया. जनता, विशेषकर आदिवासी समुदायों के कल्याण पर उनके जोर को सदैव याद रखा जाएगा. मैं उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं.
शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक व्यक्त किया है. पीएम मोदी ने शिबू सोरेन को एक जमीनी नेता बताते हुए लिखा कि उन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ. वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से समर्पित थे. उनके निधन से दुःख हुआ. मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं. पीएम मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात भी की और संवेदना व्यक्त की.
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी शिबू सोरेन के निधन पर दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और JMM के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ. आदिवासी समाज की मजबूत आवाज, सोरेन जी ने उनके हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया. झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा. हेमंत सोरेन और पूरे सोरेन परिवार के साथ-साथ गुरुजी के सभी समर्थकों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. वहीं झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को अत्यंत दुखद व पीड़ादायक बताया. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे. राजनीतिक-सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

हरियाणा में इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे:कार 6 लाख, टू-व्हीलर पर 15 हजार तक छूट मिलेगी

24 न्यूज अपडेट
हरियाणा के लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) पर फिर से छूट मिल सकती है। उद्योग-वाणिज्य एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 40 लाख रुपए तक के वाहनों को दोबारा सब्सिडी के दायरे में लाया जाए। खासकर दोपहिया वाहनों की खरीद पर कम से कम 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी, ताकि मध्यम वर्गीय लोगों को इसका फायदा मिल सके।
अगर सरकार यह स्कीम लागू कर देती है तो 2 पहिया इलेक्ट्रिक वाहन पर कम से कम 15 हजार और कार पर डेढ़ लाख से 6 लाख रुपए तक का फायदा हो सकता है। हरियाणा से सटे दिल्ली में 15 प्रतिशत की छूट मिलती है, इसलिए अधिकतर लोग दिल्ली में अपना EV रजिस्ट्रेशन करवाते हैं। जिससे हरियाणा सरकार को राजस्व का नुकसान होता है।
हरियाणा में सबसे ज्यादा EV गुरुग्राम में रजिस्टर्ड हैं। मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि EV पर सब्सिडी को दोबारा बहाल करना जरूरी है, ताकि पर्यावरण हितैषी परिवहन को बढ़ावा मिले।

SC का राहुल से सवाल-कैसे पता चीन ने जमीन हड़पी:पुख्ता जानकारी क्या है, सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते

24 न्यूज अपडेट
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई।
कोर्ट ने पूछा- आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग KM जमीन पर कब्जा कर लिया है, विश्वसनीय जानकारी क्या है, अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते।
कोर्ट ने कहा- जब सीमा पार संघर्ष चल रहा हो, तो क्या आप ये सब कह सकते हैं। आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? आप (राहुल गांधी) विपक्ष के नेता हैं, संसद में बोलें, सोशल मीडिया पर नहीं बोलें।
इसके साथ, सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में लखनऊ की कोर्ट में राहुल के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने इस मामले में शिकायतकर्ता (उदय शंकर श्रीवास्तव) और यूपी सरकार को नोटिस भेजा है।

बीजेपी बोली- राहुल गांधी की विश्वसनीयता पर सवाल
सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला किया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से राहुल गांधी की विश्वसनीयता पर सवाल उठता है। कांग्रेस पार्टी के नेता के रूप में वह कितने परिपक्व हैं? यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने भारत विरोधी मानसिकता दिखाई है।

भारत में टेस्ला का पहला सुपर चार्जिंग स्टेशन शुरू:मुंबई के BKC में मिलेगी सुविधा, 14 मिनट की चार्जिंग में 300 किलोमीटर की रेंज

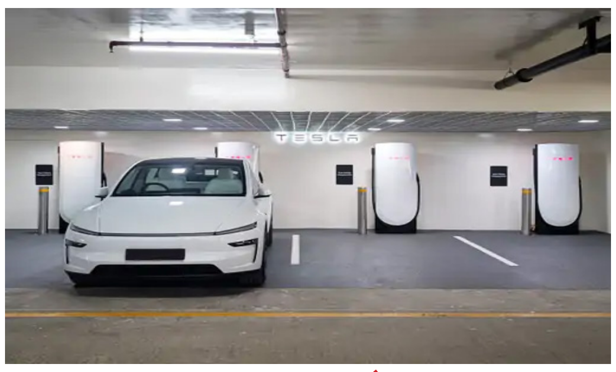

24 न्यूज अपडेट
इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपना पहला सुपर चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिया है। ये स्टेशन मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में खुला है। इसमें 4 V4 सुपरचार्जर (DC फास्ट चार्जर) और 4 डेस्टिनेशन चार्जर (AC चार्जर) हैं।
सुपर चार्जर 250kW की रफ्तार से चार्ज करते हैं, ये सिर्फ 14 मिनट की चार्जिंग में लगभग 300 किलोमीटर की रेंज देगा। सुपर चार्जर की कीमत 24 रुपए प्रति kWh और डेस्टिनेशन चार्जर की कीमत 14 रुपए प्रति kWh है। टेस्ला कार के मालिक टेस्ला के एप के जरिए चार्जर खाली है कि नहीं ये चेक कर सकते हैं। इसके अलावा चार्जिंग की प्रोग्रेस देख सकते हैं और पेमेंट भी कर सकते हैं।

टेस्ला का भारत में अभी 8 सुपर चार्जिंग स्टेशन खोलने का प्लान
ये स्टेशन उन 8 सुपर चार्जिंग साइट्स में से पहला है, जिन्हें टेस्ला ने मुंबई में लॉन्च के दौरान अनाउंस किया था। ये 8 सुपर चार्जिंग दिल्ली और मुंबई में खोले जाएंगे। कंपनी का प्लान है कि पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी ऐसे स्टेशन खोले जाएंगे, ताकि पूरे देश में EV यूजर्स को आसानी हो।

जुलाई में भारत में लॉन्च हुआ था टेस्ला का Y मॉडल
टेस्ला ने पिछले महीने मुंबई में अपना पहला शोरूम (एक्सपीरियंस सेंटर) खोला था और मॉडल Y SUV लॉन्च की थी। कंपनी का दावा है कि ये कार एक बार फुल चार्ज में 622 किलोमीटर तक चल सकती है। कार में सेफ्टी के लिए 8 एयरबैग के साथ लेवल-2 एडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

सोना फिर 1 लाख के पार निकला:चांदी 2,254 महंगी होकर 1.12 लाख किलो बिक रही, इस साल गोल्ड 24,005 महंगा हो चुका

24 न्यूज अपडेट
सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 1,914 रुपए बढ़कर 1,00,167 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,253 रुपए पर था।
वहीं चांदी की कीमत 2,254 रुपए बढ़कर 1,11,900 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,09,646 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 419 अंक चढ़कर 81,019 पर बंद:निफ्टी में 157 अंक की उछाल, टाटा स्टील 4% चढ़ा; मेटल और रियल्टी शेयरों में ज्यादा खरीदारी

24 न्यूज अपडेट
हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार (4 अगस्त) को सेंसेक्स 419 अंक चढ़कर 81,019 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 157 अंक की तेजी रही, ये 24,723 पर बंद हुआ।
सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी और 4 में गिरावट रही। कुल 12 शेयरों में 1% से 4% तक की तेजी रही। टाटा स्टील का शेयर 4% चढ़ा। BEL और अडाणी पोर्ट्स के शेयर्स 3% से चढ़कर बंद हुए। पावर ग्रिड, HDFC बैंक और ICICI बैंक के शेयर्स गिरे।
निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी और 7 में गिरावट रही। FMCG को छोड़कर NSE के सभी इंडेक्स चढ़कर बंद हुए। निफ्टी मेटल में 2.48%, रियल्टी में 1.77%, ऑटो में 1.61%, IT में 1.60%, मीडिया में 1.51% और PSU बैंकिंग में 1.26% की तेजी रही।

संपादकीय : सूची के समांतर

किसी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मताधिकार का सबसे बड़ा महत्त्व होता है। इस लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, क्योंकि वहां मताधिकार प्राप्त नागरिकों की संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है। हर पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहे, इसका जिम्मा चुनाव आयोग पर है। ऐसे में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आयोग की ओर से किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार की गई मसविदा मतदाता सूची से राज्य के पैंसठ लाख लोगों का बाहर होना चौंकाने वाला कदम है। सवाल है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में मतदाता कहां चले गए ? चुनाव आयोग का दावा है कि इनमें से अधिकतर व्यक्तियों की या तो मौत हो चुकी है या वे राज्य से पलायन कर चुके हैं, यानी किसी दूसरे राज्य में रह रहे हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 7.9 करोड़ है, जो नई मसविदा मतदाता सूची में घटकर 7.24 करोड़ रह गई है। एक अनुमान के मुताबिक, औसतन एक विधानसभा क्षेत्र से पच्चीस से तीस हजार लोगों के नाम सूची में शामिल नहीं हैं। इस पूरी प्रक्रिया पर मुख्यतः दो कारणों से सवाल उठ रहे हैं। पहला, विधानसभा चुनाव में कुछ माह शेष रहने पर ही यह प्रक्रिया शुरू क्यों की गई? दूसरा, चुनाव आयोग की ओर से तय की गई नागरिकता प्रमाणपत्र नियमावली में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में शामिल क्यों नहीं किया गया ? इसके जवाब में चुनाव आयोग के पास अपने तर्क है, मगर कई सामाजिक संगठन और विपक्षी दल इनसे इत्तिफाक नहीं रखते यह भी सच है कि मसविदा सूची अंतिम नहीं है और जिन लोगों के नाम शामिल नहीं हैं, उन्हें नए सिरे से आवेदन करने का अवसर मिलेगा। मगर, इससे सबसे ज्यादा परेशान वे लोग हैं, जिन्होंने पिछले चुनाव में मतदान किया था और अब नई मसविदा सूची में उनका नाम हटा दिया गया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि मसविदा सूची से बाहर हुए लोग अगर मतदान के पात्र नहीं थे तो पहले उनका पंजीकरण कैसे हुआ और किस आधार पर उन्हें मतदाता पहचान-पत्र जारी किया गया ? व्यवस्था में खामी पहले थी या अब है, इसका जवाब आना चाहिए । एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जिन लोगों के पास चुनाव आयोग की नियमावली के अनुरूप अपनी नागरिकता सिद्ध करने का प्रमाणपत्र नहीं है, उन्हें उसे बनवाने में वक्त लग सकता है और अगर निर्धारित समय पर यह सब नहीं हो पाया, तो वे मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। विपक्षी दल यह आरोप भी लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू में यह आश्वासन दिया गया था कि मतदाता सूची से हटाए गए प्रत्येक नाम की जानकारी कारण सहित सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाएगी, मगर अब ऐसा नहीं किया जा रहा है। वहीं, सत्ता पक्ष का कहना है कि बिहार में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी और रोहिंग्या रह रहे हैं और उनमें से ज्यादातर ने फर्जी तरीके से मतदाता पहचान-पत्र बनवाए हैं। ऐसे में उन्हें मतदाता सूची से बाहर करना जरूरी है। बहरहाल, इसमें दोराय नहीं है कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूचियों का समय-समय पर अद्यतन जरूरी है, ताकि मतदान की शुचिता बनी रहे। मगर, यह भी आवश्यक रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई पात्र नागरिक बेवजह परेशान न हो और न ही वह मतदान के अधिकार से वंचित हो ।

संवेदनहीनता की हद

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठने वाले सवालों पर सरकारे आमतौर पर भविष्य में सब कुछ ठीक कर देने के आश्वासनों की औपचारिकता पूरी करने में कोई कमी नहीं करती, लेकिन जब जमीनी कार्रवाई के स्तर पर कुछ ठोस हासिल की बात होती है, तब सच्चाई सामने आ जाती है। हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जाने वाले अभियानों में या तो दृष्टि की कमी वफ दिखती है या फिर हद दर्जे की लापरवाही बरती जाती है। कई बार महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए प्रकारांतर से उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। गुजरात के अहमदाबाद से आई यह खबर हैरान करती है कि यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता फैलाने के लिए जिस तरह के संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए, उससे यही पता चलता है कि या तो ऐसे आयोजन संचालित करने वाले के पास न्यूनतम संवेदना और समझ नहीं है या फिर वे एक आपराधिक मानसिकता का बचाव कर रहे हैं। गौरतलब है कि अहमदाबाद में यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के लिए कथित तौर पर जो पोस्टर लगाए गए थे, उनमें बलात्कार या सामूहिक बलात्कार से बचने के लिए महिलाओं को देर रात पार्टी में' वा' अपने दोस्त के साथ अंधेरे और सुनसान इलाके में' न जाने की सलाह दी गई थी। यह महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के प्रति एक बेहद जड़, संकीर्ण और प्रतिगामी दृष्टिकोण है। जाहिर है, इस मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, तब अहमदाबाद यातायात पुलिस ने सफाई दी कि ऐसे संदेशों वाले पोस्टरों में उनका हाथ नहीं है। सवाल है कि अगर यातायात पुलिस की जानकारी या सहमति के बिना किसी कथित गैरसरकारी संगठन ने ऐसे पोस्टर लगाए तो सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी ने इसकी जांच क्यों नहीं की? सामाजिक मनोविज्ञान की हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर काम करने वाले किसी गैरसरकारी संगठन की भी दृष्टि इस कदर संकीर्णता और जड़ता से ग्रस्त है। अफसोस की बात है कि जो संगठन और सरकारी महकमे महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करने का दावा करते हैं, उनके भीतर इतनी भी बुनियादी संवेदनशीलता और समझ नहीं है कि वे किसी अपराध के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा न करें।

एकलिंगपुरा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाबः ललितेश्वर महादेव मंदिर तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा, हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा उदयपुर, पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने की भागीदारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्रावण मास की पावन बेला में रविवार को एकलिंगपुरा गांव भक्ति, उल्लास और श्रद्धा के रंग में रंग गया। यहां स्थित ललितेश्वर महादेव मंदिर तक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें 5,000 से अधिक शिवभक्तों ने भाग लिया। जैसे ही कांवड़ यात्रा ने जोड़ियाजी बावजी से मंदिर तक तीन किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना शुरू किया, पूरा क्षेत्र "हर हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोषों से गूंज उठा।

श्रद्धा, सेवा और सहभागिता का अद्वितीय संगम

हाथों में कांवड़, तन पर भगवा वस्त्र और होठों पर शिवनाम... यह दृश्य हर किसी को भक्तिभाव से भर देने वाला था। पूरे मार्ग पर श्रद्धालु गंगाजल से भरी कांवड़ें लिए नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। विशेष बात यह रही कि इस आयोजन में हजारों की संख्या में माताएं-बहनें भी शामिल रहीं, जो डीजे की धुनों पर शिव भक्ति में झूमती नज़र आईं। हर मोड़ और पड़ाव पर पुष्पवर्षा, फूलों की सजावट और जलपान सेवा से यात्रियों का स्वागत किया गया। इस भव्य आयोजन को और गरिमामय बनाया स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता ने। जनप्रतिनिधियों ने निभाई सहभागिता कांवड़ यात्रा में स्थानीय विधायक फूलसिंह मीणा ने स्वयं कांवड़ उठाई और भक्तों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए यात्रा में शामिल हुए। जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने यात्रा के दौरान तलवार लहराकर श्रद्धालुओं में जोश भरा। भाजपा नेता प्रमोद सामर और अतुल चंडालिया भी यात्रा में पूर्णतः सहभागी रहे। गांव में कांवड़ यात्रा के प्रवेश पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश शर्मा ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। विभाग प्रचारक धनराज और महानगर कार्यवाह विष्णु शंकर नागदा की उपस्थिति ने आयोजन को और भी अनुशासित और अनुशासित बनाया। यात्रा के समापन पर, डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने जानकारी दी कि यह ऐतिहासिक आयोजन एकलिंगपुरा, मनवाखेड़ा, कलड़वास, उमरड़ा, झामरकोटड़ा, हिरणमगरी सहित आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं की सामूहिक आस्था का प्रतीक रहा।

मंदिर में गंगाजल से जलाभिषेक और भंडारा

ललितेश्वर महादेव मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने चारधाम से लाया गया पवित्र गंगाजल शिवलिंग पर अर्पित किया। इसके बाद मंदिर प्रांगण "हर हर महादेव" के नारों से गूंज उठा। कमलेश शर्मा की ओर से आयोजित महाआरती एवं भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सवीना थाने के थानाधिकारी अजय सिंह राव अपनी टीम के साथ पूरी यात्रा के दौरान मौके पर मौजूद रहे, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई।

डबोक में चोरों ने स्प्लेंडर बाइक उड़ाई, सीसीटीवी कैमरे को ढकने के लिए लोटे का इस्तेमाल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एक घर के आंगन से स्प्लेंडर बाइक चोरी कर ली। हैरान करने वाली बात यह रही कि चोरों ने पहचान छुपाने के लिए घर में रखे स्टील के लोटे से सीसीटीवी कैमरे को ढक दिया, लेकिन दूसरे कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। घटना रेलवे गेट के पास स्थित सीमेंट फैक्ट्री के समीप की है, जहां देवेन्द्र चौधरी के मकान से यह चोरी हुई। देवेन्द्र ने बताया कि उनके घर के बाहर परिवार की कुल 5 दोपहिया वाहन खड़ी थीं, जिनमें स्कूटी, बुलेट, शाइन सहित उनकी स्प्लेंडर बाइक शामिल थी। चोरों ने सिर्फ स्प्लेंडर को निशाना बनाया। यह घटना रात करीब 2 बजे की है। देवेन्द्र के अनुसार वे केम्पर सप्लाई बिजनेस करते हैं, इसलिए आंगन में बर्तन आदि रखे रहते हैं। चोरों ने वहीं रखे लोटे से एक कैमरे को ढका, जबकि दूसरे कैमरे में दो बदमाशों की बाइक ले जाते हुए फुटेज रिकॉर्ड हो गया। सुबह बाइक गायब मिली तो देवेन्द्र ने तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाला और डबोक थाने में चोरी की एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने फुटेज पुलिस को सौंपते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है। देवेन्द्र ने कहा कि क्षेत्र में चोरियों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पुलिस को चाहिए कि रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाए ताकि चोरों में खौफ कायम हो।

जेईई (मेन व एडवांस) की निःशुल्क कोचिंग से संवरेंगे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपने, डीएमएफटी योजना के तहत 'द रेडियंट एकेडमी' को सौंपी गई कोचिंग की जिम्मेदारी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'नई उड़ान' नामक निःशुल्क कोचिंग योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों कृ आईआईटी, एनआईटी तथा अन्य तकनीकी विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु तैयार करना है। जेईई (मेन व एडवांस) की निःशुल्क तैयारी 'नई उड़ान' योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई- मेन व एडवांस) की तैयारी हेतु पूर्णतः निःशुल्क कोचिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस जिम्मेदारी को द रेडियंट एकेडमी, उदयपुर को सौंपा गया है, जो क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कोचिंग के लिए जाना जाता है। 11वीं कक्षा के गणित संकाय के विद्यार्थियों के लिए अवसर इस योजना का लाभ शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 11वीं (गणित संकाय) में अध्ययनरत विद्यार्थियों को मिलेगा। कोचिंग में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा तथा साक्षात्कार की प्रक्रिया अनिवार्य होगी, जिससे मेधावी छात्रों का चयन सुनिश्चित किया जा सके। **पात्रता शर्तें:** विद्यार्थी को कक्षा 10वीं सीबीएसई व आरबीएसई में न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

पंजीकरण प्रक्रियाः इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी नीचे दिए गए पते पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं: स्थानः द रेडियंट टॉवर, सेक्टर-3, हिरण मगरी, उदयपुर एक नई दिशा, एक नई उड़ान शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल ना केवल आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों के लिए एक वरदान साबित होगी, बल्कि यह उदयपुर जिले की शैक्षणिक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में भी सहायक सिद्ध होगी। जिला प्रशासन और डीएमएफटी की यह योजना विद्यार्थियों के स्वप्नों को उड़ान देने का एक सशक्त माध्यम बन रही है। निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमाणी ने यह जानकारी दी।

एमआई द्वारा वृक्षारोपण : लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, खेरवाड़ा। महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा के अध्यक्ष मुकेश कलाल के नेतृत्व में रानी रोड स्थित मुक्तिधाम पर वृक्षारोपण किया गया। केंद्र के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। साथ ही एमआई के सदस्यों की ओर से मुक्तिधाम सेवा समिति के संयोजक को दो फिट ऊंचाई के पांच बड़े गमले मय फूल वाले पौधों सहित मुक्तिधाम के लिए सुपुर्द किए गए। केंद्र के सचिव जितेंद्र जैन बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश कलाल, संरक्षक दिनेश जैन, उपाध्यक्ष पुष्कर जैन, संयुक्त सचिव दिलीप जैन, पूर्व सचिव कमल प्रकाश जैन, सदस्य अर्जुन लाल पंचाल, पूर्व कोषाध्यक्ष नरेश नागदा, किशोर दवे, श्याम सुंदर सुथार, मुक्तिधाम चौकीदार नाना सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, खेरवाड़ा। खेरवाड़ा, उपखंड नयागांव के पहाडा थाना क्षेत्र में थाना अधिकारी उम्मेदी लाल के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए हेड कांस्टेबल अजीत सिंह रविवार देर शाम गश्त के दौरान गतराली में अभियुक्त राजेंद्र कुमार पुत्र मणी लाल जाती दरांगा निवासी उपला फला गतराली द्वारा अवैध रूप से अपने कब्जे में 6 लीटर देसी हथकड़ी शराब रखने एवं परिवहन करते हुए पाए जाने पर संज्ञान लेते हुए प्रकरण दर्ज किया। अभियुक्त द्वारा शराब से भरे जरीकेन को बीच सड़क पर छोड़ भाग जाने से बीट प्रभारी पृथ्वी राज द्वारा अभियुक्त की पहचान की गई। थाना अधिकारी ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर सहायक उप निरीक्षक सोमालाल द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है। इधर बावलवाड़ा पुलिस द्वारा थानाधिकारी गणपत सिंह राठौड के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए गस्त के दौरान सहायक उप निरीक्षक हाजू राम द्वारा कातर में रमेश पुत्र भीम मीना पटेला उम्र 44 वर्ष निवासी गराजा द्वारा अवैध रूप से अपने कब्जे में 6 लीटर देसी हथकड़ी शराब रखने एवं परिवहन करते हुए पाए जाने पर संज्ञान लेते हुए प्रकरण दर्ज किया। अभियुक्त द्वारा शराब से भरे जरीकेन को बीच सड़क पर छोड़ भाग जाने से बीट प्रभारी द्वारा अभियुक्त की पहचान की गई। थानाधिकारी राठौड ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर हेड कांस्टेबल लक्ष्मण लाल द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

खमनोर थाने में ACB की कार्रवाईः रीडर 20,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार, SHO की भूमिका संदिग्ध, पहले ले चुका था 35,000, ACB इंटेलिजेंस उदयपुर की टीम ने की दबिश

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) इंटेलिजेंस उदयपुर की टीम ने खमनोर थाना, जिला राजसमंद में बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत के रीडर को 20,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ACB निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में रीडर कृष्ण कुमार पुत्र सरदार राम निवासी सीकर को परिवादी से रिश्वत लेते पकड़ा गया। शिकायतकर्ता ने ACB को बताया था कि खमनोर थाने में दर्ज लूट के एक मामले में उसे आरोपी नहीं बनाने और उसकी जब्त गाड़ी छुड़वाने की एवज में रिश्वत मांगी गई थी। पहले ही 35,000 की रिश्वत ले चुका था रीडर प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कृष्ण कुमार पहले भी परिवादी से 35,000 की रिश्वत ले चुका था। इसके बाद अतिरिक्त 20,000 की मांग की गई, जिस पर शिकायतकर्ता ने ACB से संपर्क किया। ACB अधिकारियों के अनुसार, थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है और उनकी संलिप्तता की गहन जांच जारी है। पुलिस थाना खमनोर परिसर में ही ACB टीम ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया, जो देर शाम तक चली। ACB के मुताबिक, रीडर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही SHO की भूमिका को लेकर अलग से जांच प्रारंभ की गई है।

कोर्ट परिसर में रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया गोवर्धन विलास थाने का हैड कांस्टेबल, एसीबी उदयपुर की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) उदयपुर ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवर्धन विलास थाने में पदस्थापित हैड कांस्टेबल संजय कुमार मीणा को कोर्ट परिसर, उदयपुर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिसकर्मी ने एक बंदी की पत्नी से मारपीट नहीं करने और समय पर पेश कर जमानत में सहयोग करने की एवज में रिश्वत मांगी थी। परिवादिया श्रीमती लक्ष्मी बाई, निवासी काया, उदयपुर, अपने सहपरिवादी भगवाना के साथ एसीबी चौकी, उदयपुर पहुंची और एक हस्तलिखित परिवाद प्रस्तुत किया। परिवाद के अनुसार, श्री संजय कुमार मीणा, हैड कांस्टेबल, पुलिस थाना गोवर्धन विलास, ने उनके पति श्री होमा, जो कि थाना गोवर्धन विलास में दर्ज मुकदमा संख्या 16/54 एक्साइज एक्ट के अंतर्गत बंद हैं, के साथ मारपीट नहीं करने और समय पर कोर्ट में पेश कर जमानत करवाने में सहयोग देने की एवज में 2,000 की रिश्वत की मांग की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी, श्री अनन्त कुमार के निर्देशन में रिश्वत मांग सत्यापन की कार्रवाई की गई। सत्यापन के दौरान आरोपी संजय कुमार मीणा ने थाने में सहपरिवादी से 1,500 की रिश्वत राशि प्राप्त की और शेष 500 कोर्ट परिसर में परिवादिया के परिवारजनों से उपलब्ध करवाने को कहा। सत्यापन उपरांत, पुलिस निरीक्षक श्री नरपत सिंह के नेतृत्व में एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी संजय कुमार मीणा को कोर्ट परिसर, उदयपुर से सहपरिवादी से 1,000 की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों हिरासत में ले लिया। आरोपी के आवास की तलाशी की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई प्रक्रियानुसार की जा रही है।

मोटर साईकिल चोरी की वारदात का खुलासा, 6 बाईक जब्त, 1 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पुलिस ने नगर के हॉस्पीटल परिसर सहित क्षेत्र में मोटर साईकिल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी करने वाले एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफतार कर कब्जे से 6 मोटर साईकिल जब्त की। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया की नगर के निकट्वर्ती दिवडा बडा निवासी देवेन्द्र 42 पुत्र लालजी पाटीदार ने 30 जुलाई को रिपोर्ट देते हुए बताया की नगर के राजकीय चिकित्सालय में नर्सिंग ऑफीसर के पद पर कार्यरत हू दिनाक 29 जुलाई को में मेरे घर से पिताजी की मोटर साईकिल लेकर 7.30 पीएम पर चिकित्सालय आया जहा नाईट डूयुटी होने से मोटर साईकिल बाहर खडी कर अन्दर डूयुटी कि तथा 30 जुलाई प्रातः8 बजे बाहर आकर देखा तो मोटर साईकिल अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर हैड कानि.वालचन्द्र,लोकेन्द्र सिंह,कानि.भुपेन्द्रसिंह,चन्द्रपाल सिह,रोहित सिंह, दिलवर सिंह,राजेन्द्र पाटीदार,भीमराज,राजपालसिंह, राजेश लबाना, शेलेष लबाना,देवीसिंह,निहारटीम गठीत की जिसनें सीसीटीवी केमरे चेक किये तथा तकनीकी आधार पर मालुमात कर संदिग्ध लाला उर्फ लालशंकर 20 पुत्र रमेश धर्मोत निवासी ठाकरडा की तलाश कर थाने में लाकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पुछताश करने पर मोटर साईकिल चोरी करना कबुल किया गहन अनुसंधान किया तो अब तक कुल 6 मोटर साईकिल बरामद हो चुकी है हिस्ट्रीशीटर होकर पूर्व में भी चोरी व नकबजनी के सात प्रकरण दर्ज है। अनुसंधान जारी है कई वारदाते खुलने की सम्भावना है। लाला उर्फ लालशंकर धर्मोत से यामाहा एक,बजाज पल्चर एक,हिरो स्प्लेण्डर प्लस दो,हिरो पेंशन प्रो एक,बजाज पल्सर 150 सीसी एक कुल 6 मोटर साईकिल जब्त की गई सभी 2024 से 2025 तक सागवाडा थाना क्षेत्र की ही है।

ए-वन-वाले गुरूजी के अश्लील वीडियो पर फूलमाली समाज में आक्रोश, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, मारपीट मामले की भी जांच की मांग

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। फूलमाली समाज उदयपुर में हाल ही में अश्लील वीडियो प्रसारित करने और इसके बाद उत्पन्न विवाद को लेकर समाज में आक्रोश का माहौल बन गया है। सोमवार को समाज के सदस्यों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा, जिसमें मामले के दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि दिनांक 2 अगस्त को समाज के एक वरिष्ठ सदस्य मनोहर चांगवाल ने समाज के सार्वजनिक व्हाट्सएप ग्रुप में चार अत्यंत अश्लील वीडियो क्लिप साझा किए। यह ग्रुप विभिन्न आयु वर्ग के सदस्यों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ा है, ऐसे में इस तरह की सामग्री का प्रसारण न सिर्फ अशोभनीय है, बल्कि आईटी अधिनियम के तहत दंडनीय भी है।

पुलिस थाने के बाहर भी विवाद

घटना के बाद जागरूक समाजजनों ने विरोध दर्ज कराया और भूपालपुरा थाने में लिखित शिकायत भी दी। लेकिन 3 अगस्त को जब समाज के प्रतिनिधि लौकेन्द्र चावड़ा और जितेन्द्र वातरिया थाने से बाहर निकले, तो कथित आरोपियों-रीतु तंवर, जसवंत तंवर, रवि चांगवाल और कुछ अन्य महिलाओं ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि इस दौरान हाथापाई और अपमानजनक व्यवहार किया गया।

सभी आरोपी जल्द ही रिहा, समाज में आक्रोश

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि शिकायत दर्ज होने के बावजूद कुछ ही घंटों में सभी आरोपियों को रिहा कर दिया गया, जिससे समाज में यह संदेश गया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है और पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा। यह हैं समाज की प्रमुख मांगें: मनोहर चांगवाल के विरुद्ध आईटी एक्ट, पोक्सो एक्ट और अश्लील सामग्री प्रसारण से संबंधित धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। थाने के बाहर सार्वजनिक हमला करने वाले रीतु तंवर, जसवंत तंवर, रवि चांगवाल एवं अन्य के विरुद्ध विधिसम्मत दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में समाज के प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया है कि क्या सार्वजनिक मंचों पर अश्लीलता फैलाना और सच के पक्ष में खड़े लोगों पर हमला करना स्वीकार्य है? यदि ऐसे मामलों पर मौन रहा गया, तो महिलाओं व समाज के अन्य सदस्यों की सुरक्षा को लेकर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। फूलमाली समाज ने प्रशासन से निष्पक्ष, सख्त और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि वे इस मुद्दे पर समाज के सम्मान व गरिमा के लिए शांतिपूर्ण, परंतु दृढ़ आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

जयपुर में बुलडोजर से गिराई जर्जर हुई इमारत:चार मकानों के खराब हो चुके हिस्सों को तोड़ा गया, कुल 126 भवन चिह्नित किए गए

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर में जर्जर हो चुके भवनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। सोमवार को नगर निगम हेरिटेज और ग्रेटर दोनों की टीमों ने कुल चार जगह जर्जर हो चुके मकानों के हिस्से तोड़ दिए।

हेरिटेज निगम में वार्ड नंबर 72 स्थित मनिहारी रास्ते में जर्जर भवन के कुछ हिस्से को गिराने के बाद भवन को सीज कर दिया गया। इस जर्जर मकान को पूरी तरह से नहीं ढहाया गया। चांदपोल बाजार में खेजड़ो का रास्ता स्थित मकान संख्या 2185 पर कार्रवाई की गई। यहां भी मकान को पूरी तरह से नहीं गिराया गया। सिर्फ कुछ हिस्से को ही तोड़ा गया। इसके साथ त्रिपोलिया बाजार में नाटाणीयों की हवेली में जर्जर हिस्से को तोड़ा गया।

मानसरोवर में बुल्डोजर चला

वहीं, ग्रेटर नगर निगम में मानसरोवर जोन में टैगोर पथ पर सरदार पटेल पब्लिक स्कूल के पास 117/442 भवन को बुल्डोजर चलाया गया।

किशनपोल जोन में 65 भवनों को चिह्नित किया गया

किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया- नगर निगम की ओर से हर साल जर्जर भवनों की जानकारी लेकर कार्रवाई की जाती है। इस साल भी किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 65 भवनों को चिह्नित किया था, जो जर्जर हालत में थे। इनमें सभी को नगर निगम हेरिटेज की ओर से नोटिस जारी किया था। आज दो जर्जर भवनों को गिराने की कार्रवाई हुई है, इससे पहले मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे।

नगर निगम हेरिटेज ने शहर में कुल 126 जर्जर भवनों को चिह्नित किया था

नगर निगम हेरिटेज ने शहर में कुल 126 जर्जर भवनों को चिह्नित किया है। इनमें सबसे अधिक 65 भवन किशनपोल जोन में हैं। हवामहल-आमेर में 29, आदर्श नगर में 18 और सिविल लाइन में 14 जर्जर भवन हैं। जोन उपायुक्तों ने इन भवनों के मालिकों को नोटिस भेजकर मरम्मत के आदेश दिए हैं। नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद अब निगम का दस्ता जर्जर इमारतों को गिराने की कार्रवाई कर रहा है।

हेरिटेज आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने इस कार्रवाई की मॉनिटरिंग के लिए एक टीम बनाई है। किशनपोल जोन में 6 भवन बेहद खतरनाक स्थिति में हैं। वहीं, पूरे शहर में 126 में से 48 बिल्डिंग ऐसी हैं, जो अधिक जर्जर हालत में हैं।

जावर क्षेत्र में चला पर्यावरण संरक्षण का अभियान, वैशाली खेतान के नेतृत्व में 300 पौधे लगाने का संकल्प, एक हजार पौधों का लक्ष्य निर्धारित

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सानिध्य में मैसर्स एस.के. खेतान इन्फ्राप्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड की सीएफओ श्रीमती वैशाली खेतान द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 300 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में सोमवार को जावर माता मंदिर परिसर, शारदा पब्लिक स्कूल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जावर सहित विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान के तहत कृष्णपुरा ग्राम के आसपास, कालाफड़ा विद्यालय और सिंघटवाड़ा विद्यालय में भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां कुल मिलाकर 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों व गणमान्यजनों ने लिया भाग

कार्यक्रम में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के आईबीयू सीईओ श्री अंशुल खंडेलवाल, जावर माइंस मजदूर संघ के महामंत्री श्री लालूराम मीणा, मैसर्स एस.के. खेतान इन्फ्राप्रोजेक्ट के चेयरमैन श्री शशिकांत खेतान, सीएफओ श्रीमती वैशाली खेतान, श्री एस.एम. शर्मा, श्री देवक टंडन, सीओओ श्री पुष्पेंद्र धायभाई, सरपंच श्री प्रकाश मीणा, हिन्दुस्तान जिंक के हितेंद्र भूपतावत, श्रीमती मैत्री, गजानंद गुप्ता, मयंक, मोतीलाल शर्मा, मनोहर सिंह, राकेश वर्मा सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी व समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह पहल न केवल हरियाली को बढ़ावा देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत कदम भी है। इस अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक, एस.के. खेतान इन्फ्राप्रोजेक्ट व जावर माइंस के 20 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

40 मिनट तक मौत से लड़ाई... 12वें शॉक पर लौटी धड़कन: नागदा के मरीज को कार्डियक अरेस्ट के बाद डॉक्टर ने दी नई ज़िंदगी

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भोपाल। "हमने 11 बार इलेक्ट्रिक शॉक दिया, हर तीसरे मिनट CPR दिया, फिर भी धड़कन नहीं लौटी। लेकिन हमने हार नहीं मानी... क्योंकि हमें पता था कि लगातार 40-45 मिनट CPR देने से भी किसी की जान बच सकती है।" यह कहना है कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सुनील चौधरी का, जिन्होंने 22 जुलाई को नागदा के रूपेटा गांव निवासी सनी गहलोत को 40 मिनट बाद मौत के मुंह से वापस लाने में सफलता पाई।

बीपी चेक के दौरान गिर पड़े सनी, पल्स हो गई जीरो

सनी सुबह से सीने में दर्द की शिकायत के चलते पहले एक लोकल डॉक्टर के पास गए, ECG करवाया, पर राहत नहीं मिली। दोपहर में वे डॉ. सुनील के क्लिनिक पहुंचे। बीपी चेक करवाते समय ही अचानक बेहोश हो गए, पल्स शून्य हो गई। डॉ. सुनील ने तुरंत CPR शुरू किया और ICU तक ले जाया गया। रास्ते भर CPR जारी रहा। 100+ बार प्रति मिनट CPR, 11 शॉक के बाद भी ना लौटी सांस ICU पहुंचते ही 360 जूल का डीसी शॉक और इमरजेंसी इंजेक्शन दिया गया। हर 3 मिनट में CPR दोहराया गया। एक मिनट में 100 से ज्यादा बार CPR दिया गया। 11 बार डीसी शॉक देने के बाद भी दिल ने प्रतिक्रिया नहीं दी।

12वां शॉक बना जीवन की डोर

लगातार प्रयासों के बाद 12वें शॉक पर हार्टबीट लौटी, हालांकि बीपी अब भी शून्य था। इसके बाद तुरंत बीपी बढ़ाने की दवाएं और हार्ट एक्टिवेटिंग इंजेक्शन दिए गए।

स्टडी का भरोसा बना उम्मीद की किरण

डॉ. सुनील ने बताया कि कई डॉक्टर 15-20 मिनट बाद CPR बंद कर देते हैं, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्टडी के मुताबिक लगातार प्रयासों से 40-45 मिनट बाद भी हार्ट रिवाइव हो सकता है। उन्होंने कहा – "अगर 2-3 मिनट भी देरी होती है तो ब्रेन डेड हो सकता है। इसलिए हमने तुरंत प्रतिक्रिया दी और मरीज को वापस लाया।"

जीवनशैली ही दिल की बीमारी की जड़

डॉ. चौधरी ने बताया कि तेज मसालेदार, तेल-घी से भरपूर भोजन, फास्ट फूड, और व्यायाम की कमी आज दिल की बीमारियों के सबसे बड़े कारण हैं। सीने में दर्द, घबराहट, पसीना और सांस फूलना – ये सभी हार्ट अटैक के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को हल्के में न लें। उन्होंने कहा – "एक्सरसाइज, जॉगिंग, साइकलिंग को जीवनशैली में शामिल करना और शुगर कंट्रोल में रखना आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।"

ढीकली स्कूल को भेंट किया सोलर कुकर, सोलर वूमन डॉ. मंजू जैन ने दी सोलर कुकिंग की जानकारी, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर, 4 अगस्त। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब ऑफ उदयपुर दीवास द्वारा शुक्रवार को मॉडल पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल, ढीकली में सोलर कुकर भेंट किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को न सिर्फ सौर ऊर्जा की उपयोगिता समझाई गई, बल्कि व्यवहारिक जीवन में इसके समावेश के लिए प्रेरित भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं "सोलर वूमन" के नाम से प्रसिद्ध डॉ. मंजू जैन ने सोलर कुकर की कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि वे पिछले 42 वर्षों से सोलर कुकर का नियमित उपयोग कर रही हैं और यह न केवल ऊर्जा की बचत करता है, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से सूजी, मूंगफली, गेहूं का रवा सेंकने के साथ ही आलू, शकरकंद, दालें, हरी सब्जियां उबाली जा सकती हैं। यहां तक कि लड्डू, खीर, लपसी जैसी मिठाइयाँ भी आसानी से तैयार होती हैं। क्लब की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नयना जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, "हमें इस पर्यावरण मित्र तकनीक को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। सोलर कुकर न केवल ऊर्जा की बचत करता है, बल्कि यह स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली को भी बढ़ावा देता है।" इस अवसर पर क्लब की सक्रिय सदस्य श्रीमती आशा श्रीमाली एवं श्रीमती बेला व्यास भी मौजूद रहीं और उनके सहयोग से कार्यक्रम और अधिक प्रभावशाली बना। जल संरक्षण के नारों से गूंजा परिसर कार्यक्रम में "वॉटर हीरो" के नाम से विख्यात डॉ. पी.सी. जैन ने जल संरक्षण पर प्रेरक संदेश दिए और बच्चों से उत्साहपूर्वक नारे लगवाए। उन्होंने जल संकट के समाधान में बच्चों की जागरूक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद सुभाष शाखा के डॉ. नागेन्द्र प्रसाद शर्मा, सचिव श्री शोभा लाल दशोरा, तथा पैसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PIMS), उमरड़ा का स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के श्री जिग्नेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता: 50 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त, जंगल में पकड़ी गई फैक्ट्री

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर 04 अगस्त। प्रतापगढ़ पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने 50 लाख से अधिक कीमत की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स और इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला 'टांका' नामक पदार्थ जब्त किया है। इस कार्रवाई के दौरान तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तस्करों की निशानदेही पर अरनोद-सुहागपुरा के जंगलों में एक गुप्त एमडी फैक्ट्री का भी पर्दाफाश किया है, जहाँ से केमिकल और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। यह प्रतापगढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 30 के तहत साल की पहली बड़ी कार्रवाई है।

जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देश पर सोमवार को थानाधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में एक टीम गश्त कर रही थी। जीरो माइल चौराहे के पास वन विभाग के क्वार्टरों के सामने तीन संदिग्ध व्यक्ति खड़े थे। पुलिस की गाड़ी देखकर वे भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति ओमकार सिंह को मौके पर ही पकड़ लिया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 213 ग्राम एमडी और 332 ग्राम एमडी में मिलाने वाला टांका मिला। जंगल में छिपा था एमडी बनाने का ठिकाना पूछताछ के दौरान ओमकार ने बताया कि उसके दो साथी श्यामलाल मीणा और रमेश मीणा भाग गए हैं। पुलिस टीम ने उनका पीछा कर उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में से रमेश मीणा ने पूछताछ में अहम खुलासे किए। उसने बताया कि वह पिछले कई सालों से जमशेद खान निवासी देवल्दी नामक एक व्यक्ति के लिए काम करता था, जिसके खिलाफ भी पहले से एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं। रमेश के सहयोग से जमशेद ने एमडी बनाने के लिए अरनोद-सुहागपुरा के घने जंगलों में एक सुनसान जगह तलाश की थी। भारी मात्रा में केमिकल और उपकरण बरामद रमेश की निशानदेही पर पुलिस टीम ने जंगल में उस ठिकाने पर छापा मारा। वहाँ से भारी मात्रा में एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल जैसे सोडियम कार्बोक्सी मिथाइल सेल्यूलोज, हाइड्रोक्लोरिक एसिड और डाइक्लोरो मीथेन के जार और कंटेनर बरामद किए गए। बरामद की गई एमडी ड्रग और टांका श्यामलाल के पास ओंमकार सिंह और रमेश मीणा सैंपल के तौर पर लेकर आए थे। यदि यह डील सफल हो जाती तो वे इसी जंगल में केमिकल की मदद से एमडी की एक बड़ी खेप तैयार करने वाले थे।

गिरफ्तार अभियुक्तो की पहचान ओमकार सिंह (31) पुत्र चंदन सिंह निवासी पेमावतों का बास, सादड़ी जिला पाली, श्यामलाल मीणा पुत्र लालू राम निवासी खोरा थाना अरनोद और रमेश मीणा पुत्र मोखिया निवासी हामाखोरा, थाना सुहागपुरा के रूप में की गई। इस ऑपरेशन को सफल बनाने में थानाधिकारी दीपक बंजारा, उप निरीक्षक दीपक कुमार, हेड कांस्टेबल राहुल, हेड कांस्टेबल दुर्गाप्रसाद, मुकेश कुमार, कांस्टेबल मानसिंह, कृष्णपाल सिंह, रमेश, नरेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, गोविंद और शंभुलाल ने अहम भूमिका निभाई।

पुलिस फिलहाल इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है और मामले की गहनता से जांच कर रही है।

वन मंत्री संजय शर्मा ने दिए सख्त निर्देश: जर्जर चौकियों का सर्वे कर भेजें प्रस्ताव, पौधारोपण को बताया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

24 न्यूज़ अपडेट

चित्तौड़गढ़। राजस्थान सरकार के वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री संजय शर्मा ने सोमवार को जिला परिषद सभागार में वन विभाग की योजनाओं, बजट घोषणाओं व कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले की सभी वन चौकियों और नाकों का निरीक्षण कर जर्जर भवनों की सूची तैयार की जाए और नवीन भवनों के निर्माण हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे जाएं।

चौकियों की स्थिति पर होगी सख्त निगरानी

श्री शर्मा ने कहा कि किसी भी जर्जर भवन में चौकी या नाका संचालित नहीं होना चाहिए। विभाग को निर्देशित किया गया कि भवनों की स्थिति का तत्काल सर्वे कर नवीन निर्माण के प्रस्ताव तय प्रारूप में भिजवाए जाएं। उन्होंने यह भी चेताया कि वे भविष्य में औचक निरीक्षण करेंगे, ऐसे में अधिकारी सजग रहें और काम में लापरवाही न बरतें।

प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है पौधारोपण

मंत्री ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान को जनभावनाओं से जुड़ा बताते हुए कहा कि यह केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सशक्त जन-अभियान बताया और आमजन से अधिकाधिक भागीदारी की अपील की।

वन्यजीव सुरक्षा और योजनाओं की समीक्षा

बैठक में चित्तौड़गढ़ वन मण्डल के डीसीएफ श्री राहुल झांझड़िया ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, इको सेंसेटिव जोन मास्टर प्लान, प्रे-बेस वृद्धि, लवकुश वाटिका, ग्रीन लंग्स डेवेलपमेंट, तथा पौधारोपण की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके अलावा वंदे गंगा अभियान, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना, हरियालो राजस्थान अभियान, जियो टैगिंग, पौध वितरण, बजट वर्ष 2024-25 की प्रगति एवं पूर्व वर्षों की घोषणाओं की समीक्षा भी की गई।

जनप्रतिनिधियों की भागीदारी होगी सुनिश्चित

वन मंत्री ने कहा कि विभागीय कार्यों में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। उन्होंने जल संरक्षण, पौध संरक्षण एवं वन अधिकारों से संबंधित कार्यों को पारदर्शिता व निष्ठा से पूर्ण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पेसिफक श्वेता सुसाइड केस : जम्मू में मेडिकल छात्रों का जंगी प्रदर्शन, नारे गूंजे-श्वेता के हत्यारों को..., 10 दिन बाद भी न्याय की उम्मीद में परिवार, पुलिस की सुस्ती पर गहरा आक्रोश

24 न्यूज अपडेट

जम्मू के बेटी श्वेता सिंह को इंसाफ दिलाने के लिए आज सैंकड़ों स्टूडेंट सड़कों पर उतरे। जोरदार नारेबाजी करते हुए श्वेता के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाने और उदयपुर के पेसिफिक डेंटल कॉलेज भीलों का बेदला के प्रशासन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुए कॉलेज को हमेशा के लिए बंद करने की मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन में जम्मू के बड़ी संख्या में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र भी शामिल हुए। हाथों में श्वेता को इंसाफ दिलाओ, एलजी होंश में आओ सहित अन्य नारे लिखे हुए थे। बड़ी बात यह रही कि बड़ी संख्या में लड़कियों ने इसमें भाग लेकर जोशीले नारे लगाए व कहा कि श्वेता को इंसाफ दिला कर रहेंगे। कॉलेज प्रशासन चाहे जितनी तिकड़म लगा ले। चाहे जितना राजनीतिक रसूख और पैसों का दम दिखा ले, वे श्वेता के हत्यारों को सजा दिलवा कर ही रहेंगे। उन्होंने आरोपी शिक्षकों भगवत और नैनी को फांसी की सजा दिलाने की मांग की व श्वेता के हत्यारों को, गोली मारो सालों को जैसे नारे लगाए। जम्मू में यह मार्च बख्शीनगर हॉस्पिटल से शुरू हुआ और बच्चों के हॉस्पिटल शालीमार तक गया। इसमें श्वेता की बहिन भी श्वेता की तस्वीर हाथ में लिए हुए शामिल हुई। नारेबाजी के बीच कई बार छात्रों की आंखें भर आई। उन्होंने कहा कि पेसिफिक कॉलेज के प्रशासन ने सिफ पैसों के लालच के कारण श्वेता को जान देने पर मजबूर कर दिया। इस मामले में एलजी और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी तुरंत दखल देना चाहिए। श्वेता को जान बूझकर डिग्री से रोका गया था। श्वेता के साथ ही ऐसे कई स्टूडेंट हैं जिन्हें अटेंडेंस शॉर्ट बता कर पैसों की डिमांड की गई थी। अब इस बीमारी को जड़ से खत्म करने और कॉलेज को हमेशा के लिए बंद करने का समय आ गया है। मेडिकल स्टूडेंट जम्मू की बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध और संकल्पित हैं। इस बीच प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने हॉस्पिटल विजट पर आए एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात करने की कोशिश की मगर उनकी सिक्योरिटी ने एलजी से मुलाकात नहीं करने दी। इस पर छात्रों ने कहा कि अब तक तो एलजी को खुद मामले का संज्ञान ले लेना चाहिए था, आखिर उन पर किसका दबाव काम कर रहा है। प्रदर्शन में शामिल हुए श्वेता के सहपाठियों ने कहा कि उदयपुर पुलिस आखिर किस दबाव में काम कर रही है। दस दिन बाद भी भगवत और नैनी को सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला गया है। पुलिस पर आखिर किसका दबाव काम कर रहा है? इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने पेसिफिक कॉलेज प्रशासन और नेताओं की सांठगांठ का भी आरोप लगाया व कहा कि शायद इसीलिए मामले को दबाने व जांच को धीमा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच हमने जब श्वेता के परिजनों से बात की तो उन्होंने कहा कि अब तक उनके पास उदयपुर पुलिस से किसी का फोन नहीं आया है। उनको नहीं पता कि जांच किस दिशा में जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर उन्होंने गहरा आक्रोश भी जताया। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि जो छात्र श्वेता की मौत के बाद आंदोलन कर रहे थे और मीडिया के सामने अपनी पीड़ा बार बार जाहिर कर रहे थे अब उन्होंने भी कॉलेज प्रशासन के दबाव में आकर चुप्पी साध ली है। वे भी मीडिया में कोई भी बयान नहीं देना चाहते। संभवतः उनको अपनी डिग्री के समय पर कंप्लीट होने की चिंता सता रही है। जम्मू में प्रदर्शन के बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर श्वेता को न्याय दिलाओ का ट्रेंडिंग में आ गया। अब देखना यह होगा कि अब तक चुप बैठे जम्मू के एलजी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं। इस बीच खबर यह भी मिली है कि कुछ राजपूत संगठन भी इस मामले मे सक्रिय हुए हैं व उन्होंने आने वाले दिनों में उदयपुर में संघर्ष व विरोध का झंडा बुलंद करने की तैयारी कर ली है। यदि ऐसा होता है तो अब तक पूरी मामले को मैनेज करके चल रहे पेसिफिक कॉलेज प्रशासन की मुसीबतें बढ़ सकती हैं। आपको बता दें कि उदयपुर के पेसिफिक भीलों का बेदला डेंटल कॉलेज की फोर्थ इयर की स्टूडेंट जम्मू की रहने वाली श्वेता सिंह ने 10 दिन पहले कॉलेज के दो शिक्षकों भगवतसिंह और नैनी पर बार बार प्रताड़ित करने व अटेंडेंस के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगाते हुए मौत का गले लगा लिया था। तब से उदयपुर से लेकर जम्मू तक इस मामले में बवाल मचा हुआ है व दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है।

ईगो प्रॉब्लम है तो मुमकिन है : पहले वेतन रोका, फिर हड़ताल करवाई, हड़ताल की तो वेतन काट दिया!! परमानेंट वाले हड़ताल करे तो फुल सैलरी, एसएफएबी करे तो लगभग 15 लाख का सैलरी कट!!

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। ये बहुत नाइंसाफी है। परमानेंट वाले हड़ताल करे तो वे राजा बेटा हैं, उनकी हड़ताल से फिकर-नॉट, प्राब्लम नॉट। किन्तु-परन्तु एसएफएबी वाले चुभती बाते करते हुए सच के पिटारे खोलते हुए हड़ताल करें तो किसी खास का ईगो हर्ट हो जाता है और उनकी जी हजूरी करने वालों का तो बाय-डिफाल्ट या नेचुरली हर्ट हो जाता है। परमानेंट वाले राजा बेटा की पगार पर कोई कट नहीं लगता है मगर एसएफएबी वाले की पगार बनाने का समय आते ही माथे पर बल पड़ जाता है और पगार में कट लग जाता है। अचानक याद आ जाता है कि नो वर्क नो पे। जबकि परमानेंट वालों के लिए यही मंत्र उल्टा हो जाता है-नो वर्क फुल पेमेंट। यह उलटबांसियां हो रही हैं चक्की पिसिंग एटीट्यूड रखने वालों के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में। कहते भी हैं कि किसी भी आमने-सामने वाले मामले में हमेशा ''मरण'' निचले पायदान करने वालों का ही होता है। और अपने यहां तो हुजूरियों की ऐसी लाइन लगी है कि वे ईगो वालों के एक इशारे पर मर मिटने को तैयार हो चले हैं। यह भी अजीब है कि पहले वेतन रोक दो, उसके बाद इंतजार करो कि भूख पेट परेशान होकर कर्मचारी हड़ताल करे। उसके बाद पांच दस दिन गुजर जाने व बहुत ज्यादा पॉलिटिकल प्रेशर आने पर बहानेबाजी और जुमलेबाजी करते हुए या फिर दिल्ली में बैठे अपने संवैधानिक पद वालों का रूतबा झाड़ते हुए हड़ताल खत्म करवा दो। हड़ताल खत्म हो जाए तो फिर नो वर्क नो पे का नियम लगा दो। याने चित भी मेरी, पट भी मेरी......। तो इस बार भी मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 300 कर्मचारियों के साथ जो एसएफएबी के अंतर्गत काम कर रहे हैं, बहुत नाइंसाफी हो रही है। ईगो प्रॉब्लम वालों को पिछले दिनों तब दिन में तारे दिख गए थे जब ज्ञापन राज्यपाल महोदय के पास पहुंच गया था। उसमें दो महिला कर्मचारियों ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया और अन्य कर्मचारियों ने एसएफएबी शोषण तंत्र के बारे में कच्चा चिट्ठा राज्यपाल तक पहुंचा दिया था। उससे पहले थाने में परिवाद और जोरदार हड़ताल ने कुछ चरण वंदना में लीन हुजूरियों को उपर तक यह बात पहुंचाने का मौका दे दिया कि अबकी बार, वेतन पे जोरदार कट-मार। का मंत्र जाप करना है। जबकि अगर जांच हो ढंग से, कोई कमेटी ईमानदारी से तथ्यों को कानूनी नजर से परखें तो सबसे बड़े गुनहकार वेतन रोकने वाले हैं। जो वेतन-कटवा हैं उनका वेतन सबसे पहले काटा जाना चाहिए। एसएफएबी कर्मचारियों को राज्य सरकार के आदेश से दिसंबर तक काम करना है। लेकिन इस आदेश के आने के बाद किसके पेट में दर्द और बदहजमी की शिकायत हो रही है, यह अब जग जाहिर हो चुका है। ऐसे में उपर तक मिलीभगत करके वेतन रोकने, त्योहारों पर भी तनख्वाह को तरसाने जैसे अशोभनीय तरीके आखिर कौन आजमा रहा है, अब नाम किसी से छिपे हुए नहीं हैं। अब कर्मचारियों की ओर से बताया गया कि कि सुविवि की लालफीताशाही के कारण अपने हक के लिए एसएफएबी ने धरना एवं प्रदर्शन किया। उसके लिए संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों का हड़ताल के दिनों का वेतन काटने के लिए सुविवि प्रशासन ने सभी डीन व डायरेक्टर को मौन स्वीकृति प्रदान करते हुए अपनी हठधर्मिता दिखाई है। अध्यक्ष, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारी संगठन नारायण लाल सालवी ने बताया कि 1 जुलाई 2025 से संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों के पास कार्यादेश एवं वित्तीय आदेश नहीं थे। जिसकी सूचना 2 बार जून में और फिर 11 जुलाई 2025 को प्रशासन को की गई थी मगर फिर सुविवि प्रशासन ने लालफीताशाही को जारी रखते हुए 14 जुलाई तक भी कार्यादेश एवं वित्तीय आदेश जारी नहीं किए। तब मजबूर होकर संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों ने कार्यबहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन किया था। सुविवि प्रशासन की गलती की सजा निम्न वेतन भोगियों को मिल रही है और लगभग 10 से 12 लाख की कटौती हड़ताल के दिनों की जा रही है। कर्मचारी अगर हक के लिए लड़े तो वेतन काट कर दमनकारी नीति चलाई जा रही है ताकि मजबूर होकर भी वे अपने हक के लिए सुविवि प्रशासन के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाए। अध्यक्ष सालवी ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय में कार्यरत संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों के कही 10 दिन तो कही 11 दिनों के वेतन की कटौती की जा रही है। सुविवि के इतिहास में जब-जब भी शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा हड़ताल की गई है तब किसी का भी वेतन नहीं काटा गया है। यह दमनकारी नीति केवल अल्प वेतन भोगी संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों के लिए ही है। जो लोग पहले से ही अल्प वेतन पर काम कर रहे है, उस वेतन में से भी वेतन काटकर दिया जाएगा तो संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारी को मिलेगा क्या? इस संबंध में सभी डीन और डायरेक्टर से अपील की थी कि सुविवि प्रशासन की गलती की सजा अल्प वेतन भोगियों को न दे, फिर किसी ने भी दया भाव नहीं रखा और सुविवि प्रशासन के मौन आदेश को माना है।

प्रखर सिंघवी ने रचा इतिहास, कोपरनिकस ओलंपियाड में भारत को दिलाया प्रथम स्थान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 04 अगस्त। उदयपुर शहर के लिए गौरवपूर्ण क्षण तव आया जब स्थानीय प्रतिभावान छात्र प्रखर सिंघवी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेधा का लोहा मनवाते हुए कोपरनिकस ओलंपियाड 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर भारत का मान बढ़ाया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें विश्वभर के मेधावी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रखर सिंघवी ने न केवल भारत का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि अपनी विलक्षण प्रतिभा और कठिन परिश्रम के बल पर दुनिया के शीर्ष प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में विज्ञान, गणित, तर्कशक्ति और नवाचार से जुड़े जटिल प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की सोचने-समझने की क्षमता, विश्लेषण शक्ति और समाधान प्रस्तुत करने के कौशल का मूल्यांकन किया गया।

प्रखर की इस सफलता के पीछे उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, गहन अध्ययन और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रखर वर्तमान में उदयपुर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय में अध्ययनरत हैं और विज्ञान व गणित विषयों में विशेष रुचि रखते हैं। उन्होंने ओलंपियाड की तैयारी ऑनलाइन संसाधनों, मेंटर्स व इंटरनेशनल टेस्ट सीरीज़ के माध्यम से की।

उनके पिता एक व्यवसायी हैं, जबकि माता शिक्षिका हैं। परिवार ने सदैव प्रखर को अनुसंधान और ज्ञान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रखर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों को देते हुए कहा, "यह मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं कोलंबिया यूनिवर्सिटी जैसे मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। यह उपलब्धि मेरे देश और मेरे शहर उदयपुर को समर्पित है।"

कोपरनिकस ओलंपियाड की यह उपलब्धि न केवल प्रखर के लिए, बल्कि पूरे भारत और विशेष रूप से राजस्थान के लिए गौरव की बात है। इससे यह स्पष्ट होता है कि छोटे शहरों में भी विश्वस्तरीय प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का परचम लहरा सकती हैं।

प्रखर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शहरभर में खुशी की लहर है। उनके विद्यालय, शिक्षक सहपाठियों और परिजनों ने मिठाइयां बांटकर इस गौरवपूर्ण क्षण का जश्न मनाया। विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें विशेष सम्मान समारोह में सम्मानित करने की घोषणा की है।

प्रखर सिंघवी की यह उपलब्धि देश के लाखों छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और यह साबित करती है कि समर्पण, अनुशासन और लगन के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उदयपुर शहर को आज उन पर गर्व है।

नर्स की ड्रेस में महिला बच्चा चोर महिला, कहा- बच्चे को ऊपर ले जाना है, बच्चा लिया, फिर फरार

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद (नाथद्वारा)। श्री गोवर्धन राजकीय जिला चिकित्सालय, नाथद्वारा से सोमवार दोपहर एक नवजात बच्चे की चोरी का मामला सामने आया है। यह वारदात अस्पताल के जनाना विंग में उस वक्त हुई, जब खुद को नर्स बताने वाली एक महिला मास्क और नर्सिंग ड्रेस पहने वार्ड में दाखिल हुई और बच्चे की जांच के बहाने उसे साथ ले गई। पुलिस द्वारा जब अस्पताल परिसर के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, तो उसमें दो संदिग्ध महिलाएं नजर आईं। एक महिला अस्पताल में नर्स की ड्रेस में घूमती दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी महिला के हाथ में नवजात बच्चा है। एक फुटेज में यह महिला अस्पताल से बाहर जाती भी दिखी है।

डिलीवरी के तीन दिन बाद बच्चा चोरी

जानकारी के अनुसार, नाथद्वारा के सुखाड़िया नगर निवासी बिंदिया पत्नी चेतन मीणा ने 2 अगस्त को अस्पताल में एक पुत्र को जन्म दिया था। सोमवार को दोपहर करीब ढाई बजे बिंदिया की ननद चंदा के पास एक महिला नर्स की ड्रेस में आई और खुद को अस्पताल स्टाफ का सदस्य बताते हुए बच्चे को चेकअप के लिए ऊपर वार्ड में ले जाने की बात कही।

आधार कार्ड का बहाना बनाकर थमाया बच्चा

जब चंदा नवजात के साथ उस महिला के साथ चलने लगी, तो रास्ते में महिला ने आधार कार्ड लाने की बात कही और कहा कि बच्चा वह खुद लेकर ऊपर पहुंचती है। इस पर चंदा ने नवजात को महिला को सौंप दिया। कुछ देर बाद जब चंदा अपनी मां सुगना के साथ ऊपर पहुंची, तो वहां कोई नहीं मिला। तब जाकर परिवार को धोखाधड़ी का अहसास हुआ। पुलिस को मिली सूचना, मामला दर्ज परिवार की चीख-पुकार सुनकर अस्पताल स्टाफ सक्रिय हुआ और तुरंत श्रीनाथजी थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में महिला संदिग्ध रूप से अस्पताल में घूमती और नवजात को लेकर बाहर जाती नजर आई है। थाना प्रभारी के अनुसार, नवजात चोरी की वारदात गंभीर है और प्राथमिक स्तर पर दो महिलाओं की भूमिका संदिग्ध लग रही है। पुलिस टीमों का गठन कर सीसीटीवी फुटेज, आसपास के दुकानों और वाहनों की पड़ताल शुरू कर दी गई है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व सीमावर्ती क्षेत्रों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नर्स की ड्रेस में कोई अनजान महिला अस्पताल में बेधड़क प्रवेश कर जाती है और नवजात लेकर बाहर निकल जाती है — यह स्पष्ट करता है कि अस्पताल में विजिटर वेरिफिकेशन और वार्ड सुरक्षा की गंभीर कमी है।

सिंधी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी अशोक कुमार पाहुजा के निधन से शोक की लहर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर । सिंधी समाज के प्रतिष्ठित और सक्रिय समाजसेवी पूज्य जेकबआबाद पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार पाहुजा के आकस्मिक निधन से पूरा समाज स्तब्ध और गमगीन है। 66 वर्षीय श्री पाहुजा ने शनिवार शाम अपने सेवा-कार्य की दैनिक दिनचर्या पूरी करने के पश्चात वॉक और योगा के दौरान अचानक हृदयगति रुकने (हार्ट अटैक) के कारण अंतिम सांस ली। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, परंतु वे ईश्वर के चरणों में विलीन हो गए। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहाँ समाजजन, गणमान्य नागरिक, रिश्तेदार और शुभचिंतक भारी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से अपने प्रिय अशोक पाहुजा को अंतिम विदाई दी। इसी दिन शाम को पूज्य जेकबआबाद पंचायत द्वारा शक्तिनगर स्थित झूलेलाल भवन में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें सिंधी समाज के विभिन्न संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नगर के प्रमुख नागरिकों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने श्री पाहुजा के जीवन को समाज सेवा, समर्पण और सौहार्द का प्रतीक बताया। पूज्य जैकबआबाद सिंधी पंचायत के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री श्री हरीश राजानी ने कहा अशोक कुमार पाहुजा एक अत्यंत मिलनसार, हंसमुख और निःस्वार्थ सेवा भाव रखने वाले व्यक्तित्व थे। समाजहित के हर कार्य में वे अग्रणी रहते थे। उन्होंने हमेशा दूसरों की मदद को अपना कर्तव्य माना। उनके नेतृत्व और प्रेरणा से कई सामाजिक गतिविधियाँ सफल हुईं। उनका जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।" सभा में मौजूद सभी समाजजन ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा और श्रद्धांजलि अर्पित की। समाज के पदाधिकारियों ने अशोक पाहुजा के समाजहित में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। पूज्य जेकबआबाद पंचायत के संरक्षक प्रताप राय चुग, उमेश मनवानी, किशन वाधवानी, कैलाश नेभनानी,मनोज कटारिया, किशोर झम्बानी, सुनिल कालरा, उमेश नारा आदि व परिवार व समाजजन ने ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को इस कठिन समय में संबल और धैर्य प्रदान करें।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।